TEE जून 2026 और दिसंबर 2026 के लिए असाइनमेंट

BPYC-134

पाश्चात्य दर्शन: आधुनिक

नोट:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।
2. सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए।

1. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन की मुख्य विशेषताओं पर एक निबंध लिखें। 20

या

हेगेल की द्वंद्वात्मक पद्धति का विवरण दें और उचित उदाहरणों के साथ इसे समझाएँ। 20

2. ज्ञान की प्रकृति के बारे में काण्ट का क्या विचार है? समझाएँ और विश्लेषण करें। 20

या

देकार्त के मन-शरीर द्वैतवाद को समझाएँ और विश्लेषण करें। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दें। 2*10= 20

i) कार्य-कारण के विचार को समझाएँ। ह्यूम कार्य-कारण की धारणा की आलोचना कैसे करते हैं? 10

ii) देकार्त और लॉक की पदार्थ की अवधारणाओं की तुलना स्पिनोज़ा की पदार्थ की अवधारणा से करें। 10

iii) जन्मजात विचार क्या हैं? लॉक जन्मजात विचारों के सिद्धांत की आलोचना कैसे करते हैं? 10

iv) लाइबनिज़ के दर्शन में पूर्व-स्थापित सामंजस्य के महत्व को समझाएँ। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दें। 4*5= 20

i) लॉक के अनुसार प्राथमिक और माध्यमिक गुणों के बीच अंतर करें। 5

ii) बर्कले के भौतिकवाद के खंडन की जाँच करें। 5

iii) "विचार विषय-सामग्री के बिना रिक्त और अंतःप्रज्ञा अवधारणा के बिना नेत्रहीन है।" काण्ट के इस विचार की व्याख्या कीजिए। 5

iv) स्पिनोज़ा के ईश्वर के विचार पर चर्चा करें। 5

v) प्रबोधन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

vi) ऐतिहासिक भौतिकवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।5*4= 20

i) अलगावपूर्ण श्रम 4

ii) लॉक का बोध का प्रतिनिधि सिद्धांत 4

iii) संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक (सिंथेटिक ए प्रायोरी) और विश्लेषणात्मक प्रागनुभविक (एनालिटिक ए प्रायोरी) निर्णय 4

iv) टैबुला रासा 4

v) कोगिटो एर्गो सम 4

vi) हेगेल का निरपेक्ष सत्य का विचार 4

vii) काण्ट के दर्शन में "पारलौकिक" शब्द का अर्थ 4

viii) ईश्वर के प्रति बौद्धिक प्रेम 4